Result Mitra Daily Magazine

हॉर्नबिल त्योहार

➢ हालिया संदर्भ :

- नागालैंड में लोकप्रिय हॉर्नबिल त्योहार 01 दिसंबर से 10 दिसंबर 2024 तक मनाया जाएगा, जिसकी पूरी तैयारी नागालैंड सरकार द्वारा कर ली गई है।
- इसके अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन राजधानी कोहिमा के पास किया जाएगा।

➢ हॉर्नबिल त्योहार :

- यह प्रतिष्ठित त्यौहार हॉर्नबिल पक्षी के नाम पर नागा जनजातियों द्वारा अपने संस्कृति, विरासत, भोजन एवं रीति–रिवाजों को प्रदर्शित करने के लिए मनाया जाता है।
- नागा जनजातीय समुदाय रंगारंग नृत्य प्रदर्शनों के साथ इस उत्सव का जश्न मनाते हैं।
- यह उत्सव प्रतिवर्ष 17 जनजातियों द्वारा मनाया जाता है, जो इस त्यौहार को दुनिया के बाकी हिस्सों से जोड़ने का काम करता है।
- नृत्य समारोहों में योद्धा पूरे पारंपरिक युद्ध परिधान में होते हैं तथा इनका प्रत्येक प्रदर्शन एक कहानी बयां करता है, जो जीत, फसल, प्रेम एवं आदिवासी किंवदंतियों से संबंधित होता है।
- नर्तकों द्वारा परिधान में हॉर्नबिल के पंख, सूअर के दांत एवं विशिष्ट हेडगियर का प्रयोग किया जाता है, जो अविस्मरणीय दृश्य बनाते हैं।

➢ पक्षी हॉर्नबिल :

- यह एक बड़ा पक्षी है, जो मुख्यत: सदाबहार एवं आर्द्र पर्णपाती जंगलों में पाए जाते हैं, जो सामान्यत: ऊंचे पेड़ों पर अपना आश्रय बनाते हैं।
- भारत में यह मुख्यत: पश्चिमी घाट एवं पूर्वी हिमालयी क्षेत्रों में पाया जाता है।
- यह अरुणाचल प्रदेश एवं केरल का राज्य–पक्षी है।
- भारत में हॉर्नबिल की 9 प्रजातियां पाई जाती है, जिनमें पूर्वोत्तर क्षेत्र ज्यादा विविध है।
- इसे IUCN की Red Data Book में "अति–संवेदनशील" के रूप में वर्गीकृत किया गया है, साथ ही यह भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अनुसूची–I में वर्णित है।

➢ नागालैंड राज्य :

- इस राज्य का आधिकारिक गठन 1 दिसंबर 1963 को हुआ, जो भारत का 16वाँ राज्य बना।
- यह पूर्वोत्तर भारत एवं 'Seven–Sisters' समूह का हिस्सा है।
- यह पश्चिम में असम, उत्तर में अरुणाचल प्रदेश एवं असम तथा दक्षिण में मणिपुर राज्य से सीमा बनाता है।
- यह म्यांमार (पूर्व में) से अंतरराष्ट्रीय सीमा भी बनाता है।
- इस राज्य का राज्य पक्षी 'ब्लिथ्स ट्रैगोपैन' है।
- मिथुन नागालैंड के साथ अरुणाचल प्रदेश का भी राज्य पशु है।
- इस राज्य में 16 प्रशासनिक जिले हैं, जो 17 प्रमुख जनजातियों के साथ-साथ कई उप–समूहों का निवास है।
- इन सभी जनजातियों के रीति–रिवाज, परिधान एवं संस्कृति एक दूसरे से अलग है, जो इसे अनूठा बनाता है।

Note :– 2011 की जनगणना के अनुसार, नागालैंड भारत का एकमात्र राज्य राज रहा, जिसका जनसंख्या वृद्धि दर ऋणात्मक (–0.6%) रहा।

➢ प्रमुख जनजातियां :

1. अंगामी
2. कुकी
3. लोथा
4. संगतम
5. जेलियांग

6. थिमखियुंग
7. तिखिर
8. कचारी
9. एओ
10. चाखेसांग
11. रेंगमा
12. कोन्याक
13. चांग
14. खियामनियुंगन
15. सुमी
16. फोम
17. पोचुरी

➢ अन्य तथ्य :

- नागालैंड के हालिया प्रमुख GI (भौगोलिक संकेतक)Tag प्राप्त प्रमुख उत्पादों में नागा ट्री टमाटर, नागा मिर्चा एवं नागा खीरा शामिल है।
- नागालैंड की 85% आबादी प्रत्यक्षत: कृषि एवं वनोत्पाद पर निर्भर है।
- इंटंकी राष्ट्रीय उद्यान, सिंगफान, फकीम एवं पुली वडजे अभ्यारण इस राज्य के प्रमुख संरक्षित क्षेत्र हैं।

➢ खाद्य–पशु :

- हाल ही में (01 सितंबर) को FSSAI (भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) ने पूर्वोत्तर के मिथुन को 'खाद्य–पशु' का टैग प्रदान किया है।
- यह बोविडे परिवार का पशु है, जिसका वैज्ञानिक नाम 'बोस फ्रंटलिस' है।
- यह अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर एवं मिजोरम के लिए स्थानिक है।
- सामान्यत: एक वयस्क मिथुन का वजन 400–650 kg तक होता है।
- अर्द्ध–पालतू एवं मुक्त–वन पारितंत्र में पाले जा सकने वाले इस पशु की विशेषता यह है कि इसे सामुदायिक रूप से जंगलों में छोड़ दिया जाता है एवं इन्हें नमक के अलावा शायद ही किसी अन्य आर्य खाद्य पदार्थ की जरूरत होती है।
- 'खाद्य–पशु' के रूप में मान्यता दिए जाने का महत्व यह है कि अब इसे व्यावसायिक रूप से पाला जा सकता है तथा इसके मांस को अचार, सूप, बिरयानी या वेफर्स में उपयोग लिया जा सकता है।

➢ पूर्वोत्तर के अन्य प्रमुख त्योहार :

1. सागा दावा :–

- यह त्यौहार मुख्यत: सिक्किम में बौद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा मनाया जाता है।
- यह त्यौहार महात्मा बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति एवं महापरिनिर्वाण (मृत्यु) के याद में पूर्णिमा (वैशाख) के दिन मनाया जाता है, जिसे तिब्बती भाषा में 'सागा दावा' कहा जाता है।

2. बिहू :–

- यह असम का प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय त्यौहार है, जो मुख्यत: तीन प्रकार के होते हैं –

1. बोहाग या रोंगाली बिहू :– यह नव वर्ष के आगमन पर मनाया जाता है।
2. माघ या भोगाली बिहू
3. कोंगाली या काटी बिहू :– फसल कटने की खुशी में।

3. चेइराओबा :–

- इसका संबंध नव वर्ष से है, जो मणिपुर में मनाया जाता है।
- इसमें जनजातियों द्वारा अपने देवता 'सनमही' की पूजा की जाती है।

4. बंगाला :–

- यह मेघालय में गारो जनजाति द्वारा मनाया जाता है।
- यह फसल कटाई के उपलक्ष में मनाया जाता है तथा यह सर्दियों के आगमन का भी संकेतक होता है।

5. खर्ची पूजा :–

- यह त्रिपुरा राज्य में भगवान शिव के सम्मान में जनजातियों द्वारा मनाया जाता है।

6. कांड चिंगवा :–

- मणिपुर राज्य में मनाया जाने वाला यह त्यौहार राज्य में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा हिंदुओं का त्योहार है।
- यह उत्सव ओडिशा में मनाए जाने वाले 'जगन्नाथ पुरी रथ–यात्रा' के तर्ज पर मनाया जाता है।

7. अंबुबाची मेला :–

- यह असम राज्य में स्थित मां कामाख्या मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष जून के महीने में मनाया जाता है।
- यह पूर्वोत्तर भारत में मनाया जाने वाले सभी त्योहारों में प्रमुख स्थान रखता है, जिसे 'पूर्व का महाकुंभ' भी कहा जाता है।

8. ड्री उत्सव :–

- यह अरुणाचल प्रदेश में अपातानी जनजाति द्वारा मनाया जाता है, जो 'जीरो घाटी' में निवास करती है तथा 'चावल–मछली खेती' (धान के खेत में मछली–पालन) के लिए प्रसिद्ध है।

Note :– भारत ने अपातानी सांस्कृतिक विरासत को UNESCO के विश्व धरोहर की संभावित स्थलों में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव दिया है।

9. लुई–न्गाई–नी उत्सव :–

- यह मुख्यत: नागा जनजातियों (नागालैंड एवं मणिपुर) के सभी उप–समूहों द्वारा मनाया जाता है।
- यह मुख्यतः फसल कटाई से संबंधित है।